मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

## केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 21 अगस्त 2018

## जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 22/08/18 | 23/08/18 | 24/08/18 | 25/08/18 | 26/08/18 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 8 | 15 | 1 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 30 | 30 | 30 | 31 | 31 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 25 | 23 | 24 | 23 | 24 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 8 | 8 | 8 | 7 | 5 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 96 | 100 | 100 | 98 | 96 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 42 | 45 | 45 | 42 | 41 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 9 | 8 | 12 | 9 | 12 |
| हवा की दिशा | दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम | पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम | पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

| फसल | अवस्था | सलाह |
|---|---|---|
| | | बुधवार व गुरुवार को हल्की वर्षा होने की सम्भावना। फसलों पर पौध रसायनों का छिडकाव मौसम साफ होने के बाद ही करें। |
| मूंग व मोठ | वानस्पतिक | मूंग तथा मोठ की फसल में चित्ती जीवाणु रोग के कारण छोटे गहरे भूरे रंग के धब्बे पत्तों पर बन जाते है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर एग्रीमीईसीन 200 ग्राम का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें। |
| तिल | वानस्पतिक | तिल की फसल में पत्ती भक्षक कीट के नियंत्रण के लिए क्यूनालफॉस 25 ई.सी. एक लीटर का प्रति हैक्टेयर में छिडकाव करें। |
| अरण्डी | वानस्पतिक | अरण्डी की फसल में वर्षा के बाद 20 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें। |
| मिर्च | | मिर्च के खेत से विषाणु रोग से ग्रसित पौधो को उखाड कर जमीन में गाड़ दें। रोग को आगे फैलने से रोकने हेतु डाइमिथोएट 30 ई.सी. 0.1 मि.ली. लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें। |
| पशु | | पशुओ को सीधी वर्षा से बचाएं तथा पशुओं को बांधने वाले स्थान पर पानी जमा न होने दें। |

(नौडल ऑफीसर)